ई-न्यूज

# 24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, शुक्रवार 16 जनवरी 2026

वर्ष 2 अंक 253



## राजसमंद बना प्रदेश में मिसाल, सभी थानों में लगाया डिस्प्ले - सीसीटीवी फुटेज दिए जाते हैं

रिपोर्ट-जयवंत भैरवियां

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। राजसमंद पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट और स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (SCRB) के निर्देशों की गंभीरता से पालना करते हुए जिले के सभी थानों में स्पष्ट सूचना डिस्प्ले लगवाए हैं। इन डिस्प्ले के माध्यम से आम नागरिकों को यह अधिकारिक जानकारी दी जा रही है कि आवश्यकता पड़ने पर वे नियमानुसार थाने के सीसीटीवी फुटेज और संबंधित दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल मानवाधिकार संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। ऐसी पहल उदयपुर में भी की जा सकती है। गौरतलब है कि राजस्थान में पुलिस हिरासत में हुई मौतों के मामलों ने देशभर में गंभीर चिंता पैदा की थी। ये घटनाएं न केवल मीडिया की सुर्खियां बनीं, बल्कि मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंचा। शीर्ष अदालत ने इस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और उनके क्रियाशील रहने को लेकर सख्त रुख अपनाया और जनहित याचिका (PIL) दर्ज की, जो फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने परमवीर सिंह सैनी बनाम बलजीत सिंह प्रकरण में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर फुटेज उपलब्ध कराई जाए। बावजूद इसके, लंबे समय तक इन आदेशों की प्रभावी पालना नहीं हो सकी। अक्सर देखा गया है कि पुलिस हिरासत में मौत के मामलों में थानों के सीसीटीवी कैमरे "बंद" बताए जाते हैं या फिर मौत का कारण हार्ट अटैक, पूर्व बीमारी अथवा नशे की हालत बताया जाता है। ऐसे में सच्चाई सामने लाने के लिए सीसीटीवी फुटेज सबसे महत्वपूर्ण साक्ष्य होती है, लेकिन कई बार गोपनीयता का हवाला देकर यह फुटेज उपलब्ध नहीं कराई जाती। इसी संदर्भ में राज्य सूचना आयोग भी सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने को लेकर तीन महत्वपूर्ण आदेश जारी कर चुका है। इसके अलावा पुलिस विभाग के ही स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो ने भी कई बार स्पष्ट निर्देश दिए, लेकिन अनेक जिलों में इन आदेशों की या तो अनदेखी की गई या जानबूझकर अवमानना की गई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस विषय में संज्ञान लेने के बाद स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो ने अक्टूबर माह में एक अहम आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि शीर्ष अदालत के निर्णय की पालना में पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं, अतः सभी जिलों के थानों के स्वागत कक्ष में यह डिस्प्ले अनिवार्य रूप से लगाया जाए कि— "थाना कैमरे की नजर में है। नागरिक अधिकारों के संरक्षण के लिए आवश्यक होने पर नागरिक थाने से दस्तावेज/सीसीटीवी फुटेज नियमानुसार प्राप्त कर सकते हैं।" आदेश की वास्तविक पालना जानने के लिए उदयपुर सहित राजस्थान के कई जिलों में सूचना के अधिकार (RTI) के तहत आवेदन किए गए। इनमें से फिलहाल केवल राजसमंद जिला ही ऐसा सामने आया, जिसने आदेश की पालना का ठोस और दस्तावेजी जवाब दिया। राजसमंद जिला पुलिस ने अपने आधिकारिक उत्तर में बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पत्र क्रमांक 370 दिनांक 14.01.2026 के माध्यम से जिले के सभी थानों को निर्देश जारी किए गए। इसके तहत प्रत्येक थाने के स्वागत कक्ष में उक्त आशय का डिजिटल अथवा प्रिंटेड डिस्प्ले लगाया गया। इसकी पालना रिपोर्ट पत्रांक 8344-45 दिनांक 27.10.2025 के जरिए महानिरीक्षक पुलिस, स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो, जयपुर को भेजी जा चुकी है, जिसकी प्रमाणित प्रति भी संलग्न की गई है। इस तरह राजसमंद जिला राजस्थान का पहला ऐसा जिला बन गया है, जिसने सुप्रीम कोर्ट और SCRB के आदेशों की वास्तविक पालना करते हुए आम नागरिकों के मानवाधिकारों की रक्षा की दिशा में ठोस पहल की है और पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता की नई मिसाल कायम की है।

## टोल प्लाजा 1 अप्रैल से कैशलेस, नकद भुगतान बंद होगा:सिर्फ फास्टैग या UPI से टैक्स लिया जाएगा

24 न्यूज अपडेट

1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा कैशलेस हो जाएंगे। नए नियमों के लागू होने के बाद वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए सिर्फ फास्टैग (FASTag) या UPI पेमेंट का ही इस्तेमाल करना होगा। यह जानकारी टीवी न्यूज चैनल आज तक को इंटरव्यू में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने दी। उन्होंने कहा कि टोल पर नकद (कैश) लेनदेन को पूरी तरह से बंद कर करने का फैसला लिया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य टोल नाकों पर लगने वाली लंबी लाइनों को खत्म करना और सफर को बाधा रहित बनाना है। इस 'नो-स्टॉप' सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट फिलहाल देश के 25 टोल प्लाजा पर टेस्ट किया जा रहा है। हालांकि, अभी आधिकारिक नोटिफिकेशन आना बाकी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय इस डिजिटल बदलाव को लागू करने के लिए अंतिम रूप दे रहा है।

## 1 फरवरी को रविवार, फिर भी शेयर बाजार खुलेगा:2026 का बजट आएगा; BSE-NSE का फैसला- सुबह 9:15 से दोपहर 3:30 बजे तक ट्रेडिंग होगी

24 न्यूज अपडेट

हर साल की तरह इस बार भी 1 फरवरी को देश का आम बजट पेश किया जाएगा। हालांकि, इस साल 1 फरवरी को रविवार है, लेकिन इसके बावजूद शेयर बाजार में सामान्य दिनों की तरह कामकाज होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने शुक्रवार को सर्कुलर जारी कर इसकी जानकारी दी है।

एक्सचेंज के मुताबिक, बजट के दिन निवेशक और ट्रेडर्स बाजार की प्रतिक्रिया देख सकें, इसलिए रविवार को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन रखने का फैसला किया गया है।

**सुबह 9:15 बजे से ट्रेडिंग शुरू होगी, दोपहर 3:30 बजे तक चलेगी**

BSE और NSE द्वारा जारी सर्कुलर के मुताबिक, रविवार 1 फरवरी को बाजार की टाइमिंग वैसी ही रहेगी जैसी वर्किंग डेज (सोमवार से शुक्रवार) में होती है। सुबह 9:00 बजे से 9:08 बजे तक प्री-ओपन सेशन होगा। इसके बाद सुबह 9:15 बजे से नॉर्मल ट्रेडिंग शुरू होगी, जो दोपहर 3:30 बजे तक चलेगी। इक्विटी के साथ-साथ डेरिवेटिव्स (F&O) सेगमेंट में भी इसी समय पर कारोबार होगा।

## SIR प्रक्रिया पर सियासी घमासान के बीच चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, दावे-आपत्तियों की समयसीमा बढ़ी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया को लेकर चल रहे विवाद के बीच चुनाव आयोग ने अहम कदम उठाया है। आयोग ने राजस्थान सहित SIR लागू राज्यों में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 19 जनवरी तक बढ़ा दी है। पहले यह समयसीमा 15 जनवरी तय थी, जिसे अब चार दिन और आगे बढ़ाया गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस ने आखिरी दिन एक साथ हजारों आवेदन स्वीकार किए जाने पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए धांधली के आरोप लगाए थे। कांग्रेस का आरोप है कि SIR प्रक्रिया के तहत बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में हेरफेर की कोशिश की गई। कांग्रेस का आरोपः अफसरों पर दबाव, सुनियोजित फर्जीवाड़ा कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भाजपा ने प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाकर कांग्रेस समर्थकों के नाम मतदाता सूची से कटवाने और भाजपा समर्थकों के फर्जी नाम जुड़वाने के लिए एक साथ हजारों फॉर्म जमा करवाए। पार्टी ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ छेड़छाड़ बताते हुए प्रदेशभर में विरोध अभियान चलाने की घोषणा की थी। इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा समयसीमा बढ़ाए जाने को कांग्रेस ने अपने आरोपों की पृष्ठभूमि में लिया गया निर्णय बताया है, हालांकि आयोग की ओर से इसे प्रक्रिया को सुचारू और समावेशी बनाने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

## RSSB ग्रेड फोर्थ भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी, 21 लाख अभ्यर्थियों की प्रतीक्षा खत्म

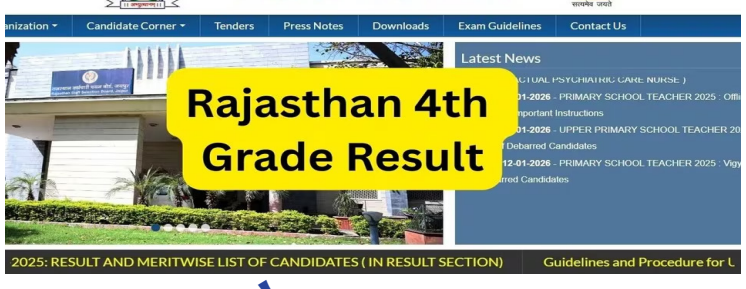


24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) ने शुक्रवार को ग्रेड फोर्थ (चपरासी) भर्ती परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित कर दिया। 53,749 पदों के लिए 19 से 21 सितंबर 2025 के बीच आयोजित इस परीक्षा में प्रदेशभर से 21 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए थे, जिससे यह भर्ती हाल के वर्षों की सबसे बड़ी परीक्षाओं में शामिल हो गई। बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने बताया कि अभ्यर्थियों की संख्या बेहद अधिक होने के कारण परिणाम तैयार करने और अपलोड करने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिजल्ट पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित प्रक्रिया के तहत तैयार किया गया है। तकनीकी कारणों से वेबसाइट पर परिणाम दिखने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट RSSB.RAJASTHAN.GOV.IN पर नाम या रोल नंबर के माध्यम से अपना परिणाम देख सकते हैं। अब शुरू होगा दस्तावेज सत्यापन चरण रिटन परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया के अगले चरण में दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाएगा। बोर्ड के अनुसार, सभी प्रमाण-पत्रों की जांच के बाद योग्य उम्मीदवारों की मेरिट के आधार पर अंतिम सूची तैयार कर संबंधित विभागों को भेजी जाएगी।

ऐसे देखें अपना रिजल्ट सबसे पहले RSSB की आधिकारिक वेबसाइट RSSB.RAJASTHAN.GOV.IN पर जाएं होमपेज पर CANDIDATES CORNER पर क्लिक करें RESULTS सेक्शन खोलें GRADE FOURTH RECRUITMENT RESULT 2025 लिंक पर क्लिक करें मेरिट लिस्ट PDF में अपना रोल नंबर या रजिस्ट्रेशन नंबर खोजें भविष्य के लिए PDF डाउनलोड कर प्रिंट सुरक्षित रखें

## एजीटीएफ की बड़ी कार्रवाई: 50 हजार का इनामी तस्कर डाकूड़ा को सांचौर में पकड़ा, फिल्मी स्टाइल में पीछा कर दबोचा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 16 जनवरी। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक के अपराध मुक्त राजस्थान के संकल्प की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एडीजी दिनेश एमएन के निर्देशन में टीम ने जालौर के कुख्यात शराब तस्कर प्रकाश जाणी उर्फ पप्पू उर्फ डाकूड़ा निवासी चितलवाना को सांचौर से दस्तयाब करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी पर आईजी जोधपुर रेंज की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

### सूचना मिलते ही बिछाया गया जाल

एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि एजीटीएफ के कांस्टेबल सुनील और सुमेर सिंह को सटीक सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार चल रहा प्रकाश जाणी अपने परिवार से मिलने जोधपुर आया है और वहां से फिर गांव की ओर निकला है। सूचना की पुष्टि होते ही एसपी ज्ञानचंद यादव और एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन और डीएसपी फूलचंद टेलर व एएसआई राकेश जाखड़ में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने जब आरोपी की रेकी शुरू की, तो वह अपनी लोकेशन बार-बार बदलने लगा।

### 2 किलोमीटर तक भागता रहा बदमाश

पुलिस टीम ने जब सांचौर के पास आरोपी का पीछा करना शुरू किया, तो शातिर तस्कर डाकूड़ा को पुलिस की भनक लग गई। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने भागने की कोशिश की, जिसके बाद एजीटीएफ और बदमाश के बीच करीब डेढ़ से दो किलोमीटर तक लुका-छिपी और दौड़ चलती रही। अंततः टीम ने सांचौर के चार रास्ता चौराहा रानीवाड़ा रोड के पास उसे चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया।

### शराब तस्करी का पुराना इतिहास

आरोपी प्रकाश जाणी अवैध मादक पदार्थों और शराब तस्करी के नेटवर्क का बड़ा खिलाड़ी माना जाता है। मार्च 2022 में सांचौर पुलिस ने एक लावारिस पेट्रोल टैंकर से 405 कार्टन हरियाणा निर्मित अवैध शराब बरामद की थी। इस मामले में प्रकाश जाणी मुख्य आरोपी था और तभी से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। इसके खिलाफ सांचौर, आबू रोड, बालेसर और गुड़ामालानी में एनडीपीएस और आबकारी अधिनियम के आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। आरोपी हरियाणा और पंजाब से शराब तस्करी कर राजस्थान और मुख्यतः गुजरात में सप्लाई किया करता है।

इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में डीएसपी फूलचंद, एएसआई राकेश जाखड़ और कांस्टेबल मगनाराम की सक्रिय भूमिका एवं कांस्टेबल सुरेन्द्र कुमार की तकनीकी भूमिका रही। विशेष रूप से कांस्टेबल सुमेर सिंह और सुनील की सूचना तंत्र की सटीकता ने इस इनामी अपराधी को सलाखों के पीछे पहुँचाने में मदद की। फिलहाल आरोपी को सांचौर थाना पुलिस को सौंप दिया गया है, जहाँ गहन पूछताछ में तस्करी के बड़े नेटवर्क के खुलासे होने की उम्मीद है।

## चांदी 2.83 लाख/KG के ऑल टाइम हाई पर पहुंची:4 दिन में कीमत 40 हजार बढ़ी; सोना 1.42 लाख/10G बिक रहा

24 न्यूज अपडेट

चांदी के दाम में आज 16 जनवरी को लगातार चौथे दिन तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार चांदी की कीमत 5,208 रुपए बढ़कर 2,82,720 रुपए प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इससे पहले 14 जनवरी को चांदी की कीमत 2,77,512 रुपए थी।

चार दिन में चांदी 40 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। वहीं, सोने के दाम में तीन दिन की तेजी के बाद आज गिरावट है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव आज 298 रुपए गिरकर 1,41,717 रुपए पर ओपन हुआ था। 14 जनवरी को इसने 1,42,015 रुपए पर ऑल टाइम हाई बनाया था।

## संपादकीय : सुरक्षा और कूटनीति

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू- राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं। ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है | तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा। ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार - जाहेदान रेलवे लाइन को । अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है और भविष्य के सहयोग को सीमित कर सकती है। नई चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसद शुल्क से जुड़ी है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। वह वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाता रहा है। इस नाते उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना । तेहरान की स्थिति जटिल दिख रही है। भारत और ईरान के रिश्ते कभी विचारधारा से संचालित नहीं रहे ये संबंध भूगोल, पहुंच और क्षेत्रीय संतुलन की जरूरत से बने हैं। ईरान में किसी भी तरह का बड़ा झटका भारत की वर्षों से साधी गई व्यापारिक राहों, कूटनीतिक समीकरणों और सुरक्षा गणनाओं को प्रभावित कर सकता है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो तेल बाजार में अस्थिरता, कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ना तय है। साथ ही, शरणार्थियों की अप्रत्याशित भीड़ और क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में बदलाव की आशंका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

## साइबर असुरक्षा

भारत में साइबर धोखाधड़ी नहीं थम पा रही, तो आखिर इसकी वजह क्या है ? वर्तमान समय में इस अपराध के इतने स्वरूप हैं कि पीड़ित व्यक्ति ठगों की साजिश को एकबारगी समझ नहीं पाता और वह जीवन भर की कमाई लुटा बैठता है। यही वजह है कि साइबर अपराधी हर वर्ष लोगों को करोड़ों की चपत लगा रहे हैं। विश्व आर्थिक मंच ने दावोस बैठक से पहले अपनी 'वार्षिक जोखिम रपट' में भारत में बढ़ती इसी साइबर असुरक्षा को लेकर आगाह किया है। मंच ने गलत सूचनाओं और भ्रामक जानकारियों के प्रसार पर भी चिंता जताई है। वहीं भारत के मामले में एक अध्ययन ने शीर्ष पांच जोखिमों की पहचान की है, जिनमें साइबर असुरक्षा को विशेष रूप से शामिल किया है। दरअसल, देश में इस असुरक्षा के लगातार बढ़ते जाने की एक बड़ी वजह यह है कि ठगों ने देश से लेकर विदेश तक अपना जाल बिछा लिया है। इस लिहाज से यह न सिर्फ तकनीकी समस्या है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला भी है। चिंता की बात यह है कि हम साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए निगरानी तंत्र आज तक मजबूत नहीं कर पाए हैं। नागरिकों में भी डिजिटल साक्षरता का अभाव दिखता है। एक गंभीर समस्या डिजिटल रूप से बदले गए वीडियो और चित्रों की भी है जो आज नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। इसको लेकर भी विश्व आर्थिक मंच ने चिंता जताई है। ऐसे कई विवादित वीडियो सामने आ चुके हैं। अगर साइबर अपराधियों का हौसला बढ़ा है, तो यह व्यवस्था की खामी है। हैरत की बात है कि अपराधियों के संजाल तक पहुंचने की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में साइबर असुरक्षा लगातार बढ़ती चली गई है। आखिर क्या कारण है कि हम धोखेबाजों के असल ठिकानों पर नहीं पहुंच पा रहे हैं ? भारत में इस असुरक्षा का जोखिम इसलिए भी गहरा है, क्योंकि लोगों के पास सजगता और व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने जैसे सीमित विकल्प ही हैं। दोराय नहीं कि अब सरकार को सख्ती बरतनी होगी। साइबर अपराध के संजाल को तोड़ने का वक्त आ गया है।

# हनी ट्रैप अब 'धंधा' : भीलवाड़ा एसपी ने गैंग के नाम सार्वजनिक किए, कहा-डरें नहीं, पुलिस आपके साथ है

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। जिले में हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग को संगठित अपराध का रूप लेते देख भीलवाड़ा पुलिस ने बड़ा और असाधारण कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने हनी ट्रैप कर वसूली करने वाले गिरोह से जुड़े लोगों के नाम सार्वजनिक करते हुए आमजन से बिना डर पुलिस के पास आने की अपील की है। एसपी ने स्पष्ट कहा कि यह कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं, बल्कि गैंग बनाकर चलाया जा रहा नया आपराधिक धंधा है।

एसपी धर्मेंद्र सिंह के अनुसार, कुछ महिलाएं अलग-अलग उम्र के लोगों को अपने जाल में फंसाती हैं। इसके बाद उनके सहयोगी वीडियो, ऑडियो या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से ब्लैकमेल कर मोटी रकम वसूलते हैं। रकम नहीं देने पर झूठे केस में फंसाने, बदनाम करने और धमकाने जैसी हरकतें की जाती हैं। कई मामलों में यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क में ऐसे लोग भी शामिल रहे हैं, जिनका दायित्व कानून की रक्षा करना है।

गैंग बनाकर होती है वसूली

पुलिस जांच में सामने आया है कि ये गिरोह योजनाबद्ध तरीके से काम करता है। पहले बातचीत और भरोसे का जाल बुना जाता है, फिर किसी न किसी माध्यम से आपत्तिजनक वीडियो या सामग्री तैयार की जाती है। इसके बाद पीड़ित से लगातार दबाव बनाकर रुपए वसूले जाते हैं। कुछ मामलों में झूठे यौन शोषण या बलात्कार के मुकदमे दर्ज कराने की धमकी देकर भी पैसे ऐंठे गए। एसपी ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई महिलाओं और उनके सहयोगियों के खिलाफ पुलिस ने चालान और प्रकरण दर्ज किए हैं। अब इस पूरे नेटवर्क पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है।

### बिना डर करें शिकायत, पहचान रहेगी गोपनीय

पुलिस अधीक्षक ने दो टूक कहा कि यदि कोई व्यक्ति खुद को हनी ट्रैप या ब्लैकमेलिंग का शिकार महसूस करता है तो वह बिना डर पुलिस से संपर्क करे। पीड़ित की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महिलाओं के साथ-साथ उनके पुरुष सहयोगियों पर भी समान रूप से कार्रवाई होगी।

### इन सहयोगियों के नाम किए सार्वजनिक

एसपी ने बताया कि हनी ट्रैप मामलों में महिलाओं का सहयोग करने वालों में सवाईपुर निवासी हरिसिंह, शम्भूगढ़ के भारलियास निवासी गुमानसिंह, पंचवटी निवासी हरिराम उर्फ राजू गुर्जर, मनोज सोनी, राजू जाट, शिवरती निवासी दुर्गालाल उर्फ दुर्गेश जाट, सुखाडिया सर्किल क्षेत्र निवासी सुनील माली, बाबाधाम क्षेत्र निवासी राजवीर उर्फ राजू शर्मा, गुलाबपुरा निवासी अफसर अली उर्फ लक्की खान, सवाईपुर निवासी हरिसिंह, कुवाड़ा खान क्षेत्र निवासी नारायण लाल बलाई, शेरू माली, भाखलिया निवासी कैलाश जाट, मंडपिया निवासी पीयूष दमामी, अहिंसा सर्किल क्षेत्र निवासी कैलाश सिंह, शिवराज नायक, रामगोपाल प्रजापत सहित अन्य नाम शामिल हैं। इसके साथ ही वारदातों में शामिल रह चुकी महिलाओं की सूची भी पुलिस द्वारा जारी की गई है।

# चलती कार पर पथराव, हाईवे पर दहशत का माहौल, बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में परिवार बाल-बाल बचा

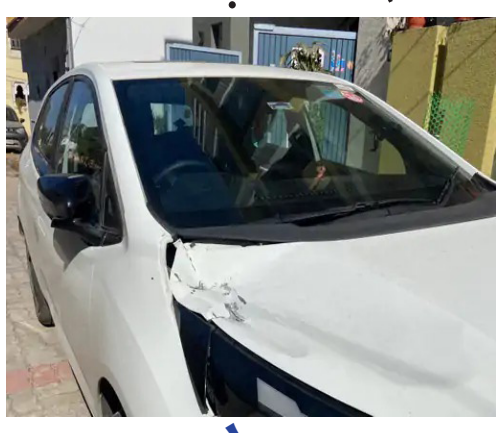

24न्यूज अपडेट

बिछीवाड़ा। थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर गुरुवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अज्ञात असामाजिक तत्वों ने एक चलती कार पर अचानक पथराव कर दिया। इस घटना में सलूंबर जिले का वरनौती परिवार बाल-बाल बच गया। पथराव से कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि गनीमत रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सलूंबर के सालवी मोहल्ला निवासी प्रवीण वरनौती अपनी पत्नी मीना कुमारी सालवी एवं दो बेटों प्रतीक व कविस के साथ मकर संक्रांति की छुट्टियां मनाकर अहमदाबाद गए थे। गुरुवार रात परिवार अहमदाबाद से वापस सलूंबर लौट रहा था। परिवार ने बताया कि बिछीवाड़ा क्षेत्र में हाईवे पर सुनसान स्थान पर अंधेरे का फायदा उठाते हुए अज्ञात बदमाशों ने उनकी चलती कार पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। एक पत्थर सीधे कार के बोनट पर आकर लगा, जिससे तेज आवाज हुई और बोनट पिचक गया। परिवार ने आशंका जताई कि यदि पत्थर विंडस्क्रीन पर लगता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। अचानक हुए इस हमले से कार में सवार महिलाएं और बच्चे भयभीत हो गए। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए चालक प्रवीण वरनौती ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन की गति बढ़ाई और सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर राहत की सांस ली। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने हाईवे पर इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने, गश्त बढ़ाने तथा पथराव करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस घटना ने एक बार फिर नेशनल हाईवे पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# इवेंट के नाम पर भरोसा तोड़ा, फार्महाउस में दरिंदगी: सुखेर पुलिस ने 4 घंटे में दबोचे आरोपी

24न्यूज अपडेट

उदयपुर। थाना सुखेर पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के महज चार घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक उदयपुर योगेश गोयल के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई थी। 15 जनवरी को एक महिला ने थाना सुखेर में रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि वह मुंबई की रहने वाली है और इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में कार्य करती है। करीब एक माह पूर्व उदयपुर निवासी करण सिंह ने उसे फोन कर अपने मैरिज गार्डन और होटल में इवेंट कार्य के लिए नौकरी का प्रस्ताव दिया। इसी बहाने उसे उदयपुर बुलाकर एक सुनसान फार्महाउस में ठहराया गया। पीड़िता के अनुसार, लगभग दस दिन बाद करण ने उसे काम पर भेजने के बहाने एक अनजान व्यक्ति के साथ गलत कार्य करने का दबाव बनाया। मना करने पर उसे फार्महाउस में बंद कर दिया गया। आरोप है कि 12 जनवरी की रात करीब 2 बजे करण सिंह अपने साथी हितेश और भूरा के साथ वहां आया और तीनों ने मिलकर दुष्कर्म किया।

एसपी के निर्देश पर बनी विशेष टीम घटना की सूचना मिलते ही जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा एवं वृत्ताधिकारी नगर पश्चिम राजेश यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी सुखेर रविंद्र चारण के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने आसूचना संकलन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी करण सिंह पुत्र अनार सिंह निवासी पड़ावली, गोगुंदा तथा उसके साथी हितेश पुत्र भूरालाल निवासी रणोली, सागवाड़ा (डूंगरपुर) को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। तीसरे आरोपी भूरा की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़िता करीब एक माह पूर्व मुंबई से फ्लाइट द्वारा उदयपुर आई थी। आरोपियों द्वारा उसे बहला-फुसलाकर फार्महाउस में रखा गया और घटना को अंजाम दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले में अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम रविंद्र चारण, थानाधिकारी, सुखेर

जगदीशचंद्र विश्नोई, प्रशिक्षु आरपीएस

खुमाण सिंह, सहायक उप निरीक्षक रामकुमार, हैड कांस्टेबल श्रवण कुमार, हैड कांस्टेबल भारत उज्जवल, कांस्टेबल शिम्भुराम, कांस्टेबल

# विराट हिन्दू सम्मेलन को लेकर हुई बैठक

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर के पुनर्वास कॉलोनी सावरकर बस्ती में विराट हिन्दू सम्मेलन की बैठक पंचदेव मंदिर परिसर मे गुरूवार शाम को हुई। बैठक अध्यक्ष करणसिंह चौहान,संयोजक विमलेश द्विवेदी के नेतृत्व में ब्लॉक सी व बी, कानड़ कुआं, नेमीनाथ नगर, श्रीराम नगर के लोगों की बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया कि सम्मेलन को लेकर जागरुकता वाहन रैली रविवार प्रातः11 बजे बी ब्लॉक स्थित गणेश मन्दिर से प्रारंभ होगी। रैली बी ब्लॉक एवं सी ब्लॉक, नेमिनाथ नगर, श्रीराम नगर, कानड़ कुआं से होकर होली चौक पर समापन होगा। बैठक में बताया कि 22 जनवरी को शाम साढ़े पांच बजे पुनर्वास कॉलोनी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विराट हिन्दू सम्मेलन व कानड़ कुआं की भजन मंड़ली की ओर से भजन एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। इस अवसर पर पत्रक का विमोचन किया। इस अवसर पर गौरीशंकर कुलखन्ध्या, महिपालसिंह सहित पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, रानी रोड स्थित आकार महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर सी के जैन के निर्देशन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों द्वारा आकर्षक एवं कलरफुल रंगोली बनाई गई। प्रतियोगिता प्रभारी संगीता डामोर ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 11 टीमों ने भाग लिया जिसमें 8 टीम छात्रा वर्ग से एवं 3 तीन तीन छात्र वर्ग से रही। जिसमें प्रथम स्थान पर रीना हडात एवं अंजलि मीणा,द्वितीय स्थान पर पायल कटारा एवं मोनिका बलाई एवं तृतीय स्थान पर शारदा डामोर एवं सोनिया पटेल तथा जयपाल गरासिया एवं जतिन हरिजन संयुक्त रूप से विजेता रहे। महाविद्यालय के सीईओ दिनेश जैन ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रशासनिक कार्य प्रभारी नितिन परमार, प्राध्यापक अश्विन परमार एवं संकित मीना, सहयोगी मनोज पारगी सहित महाविद्यालय के प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# विभिन्न गौशालाओं में पशुओं को लापसी व चारा वितरण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गुरु कमल चंद्र रोशन व विद्यार्थी कल्याण संस्थान का लपसी वितरण कार्यिक्रम के दूसरे दिन आज उदयपुर की महाकालेश्वर गौशाला, पशुपतिनाथ गौशाला, अपना घर गौशाला, परशुराम चैराहा अशोकनगर गौशाला, आशाधाम गौशालाओ में महाप्रभु प्रसाद वितरित किया गया। इस वितरण महोत्सव में संजय जैन स्वीटी जैन वीरेंद्र जैन कमलेश जैन बलवंत चैधरी सुशील जैन सुरेश जी वैष्णव सांवरिया मित्र मंडल आदि गौ भक्तों ने को सेवा का आनंद लिया।

# पशुचिकित्सा के फोरेंसिक पहलुओं पर कार्यशाला 23 जनवरी को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 जनवरी। भारत सरकार की एलएचडीपी एंड एएससीएडी योजना के अन्तर्गत फोरेंसिक एस्पेक्टस ऑफ वेटेरो-लीगल केसेज विषयक पर संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला 23 जनवरी को राजकीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान में होगी। संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य पशु चिकित्सकों एवं विभागीय अधिकारियों को वेटेरो लीगल मामलों में फोरेंसिक साक्ष्यों के संग्रह, संरक्षण एवं विधिक प्रक्रियाओं की अद्यतन जानकारी प्रदान करना है। कार्यशाला में उदयपुर संभाग के समस्त जिलों के 70 पशुचिकित्सक भाग लेगें। कार्यक्रम में क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, उदयपुर के विषय विशेषज्ञ डॉ. परमजीत सिंह एवं टीम द्वारा तकनीकी सत्र लिये जाएंगे।

**समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -**

desk24newsupdate@gmail.com

# हाथों में हाथ, छोड़ा जीवन का साथ, पटरियों पर हुआ जीजा-साली की प्रेम कहानी का अंत

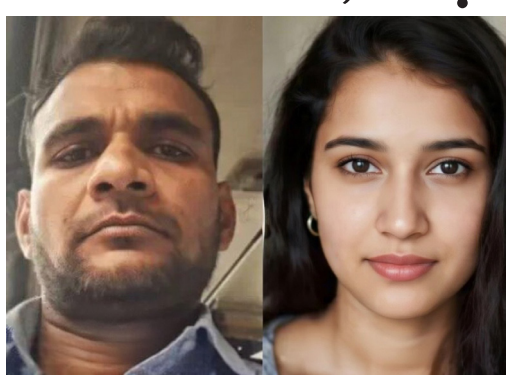

24 न्यूज अपडेट

हरदोई। कोहरे से ढकी गुरुवार तड़के की रात में प्रेम कहानी हमेशा के लिए थम गई। जिला मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूर देहात कोतवाली क्षेत्र में जीजा–साली ने हाथ पकड़कर ट्रेन के आगे खड़े होकर जान दे दी। हावड़ा–काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस की चपेट में आने से दोनों के शव क्षत-विक्षत हो गए। हादसे के बाद ट्रेन को करीब 45 मिनट तक रोका गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पटरी से शवों के अवशेष समेटे और उन्हें पॉलिथीन में भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हालात ऐसे थे कि मौके पर पहचान संभव नहीं थी। लापता लोगों की सूची से मिलान किया गया और करीब 15 घंटे बाद परिजनों ने शरीर पर मौजूद तिल, चोटों के निशान और कपड़ों के आधार पर दोनों की शिनाख्त की। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक रितेश सिंह (28) और मुस्कान के बीच पिछले दो साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। रिश्ते की जानकारी होने पर परिजनों ने इसका विरोध किया था और मुस्कान के लिए अन्यत्र रिश्ता तलाशना शुरू कर दिया गया था। इसी तनाव के बीच दोनों ने यह कदम उठाया।

रितेश सिंह बघौली थाना क्षेत्र के गड़ेउरा गांव का निवासी था। वह हरियाणा के बहादुरगढ़ में रैक्सीन सोल बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता था और अविवाहित था। मुस्कान बीए कर चुकी थी और नौकरी की तलाश में थी। 3 जुलाई 2024 को रितेश के छोटे भाई साकेत की शादी मुस्कान की बड़ी बहन शिवी सिंह से हुई थी। इसके बाद रितेश का ससुराल आना-जाना बढ़ा और यहीं से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। घरवालों को जब इस रिश्ते की भनक लगी तो विरोध हुआ। रितेश के ससुराल आने पर रोक लगा दी गई, लेकिन दोनों के बीच फोन पर बातचीत जारी रही। मुस्कान के लिए रिश्ता तलाशे जाने से रितेश नाराज बताया जा रहा है। भाई साकेत के मुताबिक, रितेश 13 जनवरी को हरियाणा से हरदोई लौटा था। पुलिस का कहना है कि उसी दिन दोनों ने आत्मघाती कदम उठाने की योजना बना ली थी। बुधवार रात रितेश बुआ के घर पहुंचा और वहीं से मुस्कान को फोन कर बुलाया। कुछ देर साथ रहने के बाद उसने बुआ से कहा कि वह लखनऊ जा रहा है और मोबाइल व बैग घर पर ही छोड़कर निकल गया। इसके बाद दोनों देहात कोतवाली क्षेत्र के खदरा रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंचे। काफी देर तक बातचीत के बाद गुरुवार रात करीब 2:15 बजे कोहरे के बीच ट्रेन के सामने कूद गए। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार शवों की हालत बेहद खराब थी। रितेश की पहचान बाएं कान के पीछे तिल और कपड़ों से हुई, जबकि मुस्कान की पहचान उसकी मां नीतू सिंह ने कपड़ों के आधार पर की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# भीलवाड़ा में बच्चों के हौसले के आगे झुका प्रशासन, पांच दिन के आंदोलन के बाद लेक्चरर की उसी स्कूल में वापसी

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. जिले के नंदराय कस्बे में विद्यार्थियों की जिद, एकजुटता और भावनात्मक आंदोलन के आगे आखिरकार प्रशासन को झुकना पड़ा। राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय नंदराय से स्थानांतरित किए गए भूगोल के लेक्चरर शंकरलाल जाट को शुक्रवार को पुनः उसी स्कूल में डेपुटेशन पर नियुक्त कर दिया गया। इसके साथ ही पांच दिनों से चल रहा छात्र आंदोलन समाप्त हो गया। शुक्रवार सुबह जैसे ही लेक्चरर शंकरलाल जाट स्कूल पहुंचे, बच्चों ने उन्हें घेर लिया। धरना स्थल पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तबादला एक सतत प्रक्रिया है, लेकिन पिछले पांच दिनों से जो माहौल बना है, वह न बच्चों के हित में है, न गांव के और न ही शिक्षा व्यवस्था के। उन्होंने छात्रों से धरना समाप्त कर पढ़ाई पर ध्यान देने की अपील की, जिसके बाद विद्यार्थियों ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी। दरअसल, 11 जनवरी को नंदराय के राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय में पदस्थापित लेक्चरर शंकरलाल जाट का तबादला भीलवाड़ा शहर के राजेंद्र मार्ग स्थित स्कूल में कर दिया गया था। इससे नाराज छात्र-छात्राएं 12 जनवरी की शाम करीब चार बजे स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए थे। देखते ही देखते यह विरोध प्रदर्शन व्यापक आंदोलन में बदल गया और लगातार पांच दिन तक चला। गुरुवार को भी कोटड़ी एसडीएम तान्या रिणवा ने धरनास्थल पर पहुंचकर बच्चों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन छात्र अपनी मांग पर अड़े रहे। शुक्रवार सुबह प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए स्कूल के बाहर से बच्चों को हटाया, धरने का टेंट हटवा दिया और पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया। इसके बाद सभी छात्र-छात्राएं स्कूल के पास स्थित मंदिर के बाहर जाकर फिर से धरने पर बैठ गए। इस दौरान हालात तनावपूर्ण हो गए। छात्रों का आरोप है कि प्रशासन की ओर से उन्हें और उनके अभिभावकों को डराया-धमकाया गया। छात्राओं ने यहां तक कहा कि लाठीचार्ज की धमकी दी गई। विद्यार्थियों ने चेतावनी दी कि यदि किसी बच्चे को कुछ भी हुआ तो इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। आंदोलन के दौरान गुरुवार को सात छात्राओं की तबीयत भी बिगड़ गई। इनमें से दो छात्राएं बेहोश हो गईं, जबकि पांच अन्य रोने लगीं। शिक्षकों और सहपाठी छात्रों ने उन्हें संभाला और स्टाफ रूम में ले जाकर डॉक्टर से जांच करवाई। देर रात बच्चों की हालत देखकर अभिभावक भी धरना स्थल पर पहुंच गए और पूरी रात बच्चों के साथ वहीं बैठे रहे। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने आखिरकार समाधान का रास्ता निकाला। एसडीएम तान्या रिणवा के अनुसार, लेक्चरर शंकरलाल जाट को धरना स्थल पर बुलाया गया, जहां उनकी समझाइश के बाद छात्र आंदोलन समाप्त करने को राजी हुए। व्यवस्था के तहत शंकरलाल जाट को डेपुटेशन पर पुनः नंदराय स्कूल में लगाया गया है।

# एसआईआर में भारी अनियमिताएं, शहर कांग्रेस भड़की, विधायक जैन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग

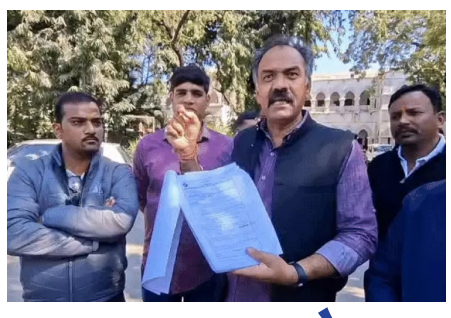

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर शहर विधायक ताराचंद जैन के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ के नेतृत्व में शुक्रवार को एक प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए निर्वाचन नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने कहा कि वर्तमान में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान शहर विधायक ताराचंद जैन एवं उनसे जुड़े भाजपा नेताओं द्वारा बड़ी संख्या में फॉर्म-7 बिना ठोस कारण और स्पष्ट विवरण के जमा कराए गए हैं। यह भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ही दिन में सैकड़ों आवेदन प्रस्तुत किया जाना गंभीर संदेह को जन्म देता है और यह मतदाता सूची में हेरफेर का प्रयास प्रतीत होता है। उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एडवोकेट पंकज पालीवाल ने बताया कि निर्वाचन नियमों के अनुसार एक व्यक्ति द्वारा सीमित संख्या में ही आवेदन दिए जा सकते हैं, लेकिन यहां नियमों की अनदेखी कर सामूहिक रूप से फॉर्म जमा किए गए। कांग्रेस का आरोप है कि इस प्रक्रिया से लोकतांत्रिक व्यवस्था की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। ज्ञापन में यह भी मांग रखी गई कि नियम विरुद्ध जमा किए गए फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 की संपूर्ण सूची संबंधित पक्ष को उपलब्ध कराई जाए तथा ऐसे सभी आवेदनों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई फिलहाल स्थगित की जाए।

कांग्रेस कमेटी ने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि निर्वाचन कानूनों का उल्लंघन करने वाले जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए, ताकि लोकतंत्र की पवित्रता और पारदर्शिता बनी रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में शीघ्र निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर उग्र जनआंदोलन करने को बाध्य होगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रतिनिधि मंडल में ब्लॉक अध्यक्ष सोमेश्वर मीणा, अजय सिंह, शहर जिला महामंत्री दिनेश कुमार दवे, मंडल अध्यक्ष ऋतुराज मिश्रा, श्याम सुंदर गुर्जर, मयंक खमेसरा, धर्मेश मालवीय, महेश धनावत, राकेश खोखर, एससी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुरेश सोलंकी, ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष देवेंद्र माली, निकाय प्रकोष्ठ अध्यक्ष शंकर चंदेल, शहर जिला कांग्रेस सचिव यशवंत राजोरा, अमित श्रीवास्तव, सोहन सिंह, रवि कुमावत, भरत ओदिच्य, हेमन्त मेघवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे। उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने विश्वास जताया है कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेकर निष्पक्ष जांच करेगा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाएगा।

# जैन महिला मंच के 10.वर्ष पूर्ण होने पर मनाया स्वर्णिम दशक महोत्सव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जैन महिला मंच के 10.वर्ष पूर्ण होने पर द सिक्रेट रिसोर्ट में स्वर्णिम दशक महोत्सव मनाया गया। मंत्री ज्योति जैन ने बताया कि सर्वप्रथम अनिता भावोत, संगीता कंठालिया, प्रभा चैधरी ने सभी को कुमकुम लगाकर अभिवादन किया। जिसमें सभी फेमेली के साथ मिलकर, खुब मौजू मस्ती की। सभी के लिये सिंगल,कपल के लिए कपल गेम भी रखें गयें। सांस्कृतिक प्रोग्राम भी विशेष रूप से आयोजित किये गये। मंच के साथ दस वर्ष से साथ जुड़े हुए सभी मेंबर को उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। इस प्रोग्राम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में संयोजक डॉ. दिपिका जैन, बेला सुराणा, प्रिती वया का योगदान रहा। स्वागत गीत नेहा रांका ने प्रस्तुत किया। मंच अध्यक्ष वंदना बाबेल ने सभी का स्वागत किया व सभी के सहयोग से दस वर्ष पूणर्ज्ञ होने पर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। संयोजक ने बताया कि जो कपल गेम्स में चोटी वाले मे प्रथम नेहा व अमित जैन, द्वितीय शशि व ललित मेहता,तृतीय दिप्ती व मनिष तलेसरा रहे। बेलुन गेम्स में प्रथम नीलम व प्रदीप सुराणा, द्वितीय शिल्पा अनिल जैन,तृतीय इंदु व इद्रजीत सिंघवी, सिंगल लेडीज गेम्स में रेंवता जैन पुरुस्कार प्रदान किये गये। नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें शिल्पा जी जैन, ज्योति जैन व निर्मला लोढ़ा को सम्मानित किया गया।

# उत्कृष्ट कार्य करने वाले 54 रेलकर्मियों को किया गया सम्मानित

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे में शुक्रवार को 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह–2025 का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेलकर्मियों और मण्डलों को सम्मानित किया गया। यह समारोह उत्सव भवन, रेलवे अधिकारी क्लब, जगतपुरा, जयपुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ रहे। समारोह में महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने उत्तर पश्चिम रेलवे के विभिन्न विभागों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले 54 रेलकर्मियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किए। इसके साथ ही अलग-अलग कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मण्डलों, यूनिटों और कारखानों को कुल 21 उत्कृष्टता शील्ड भी प्रदान की गईं। इस वर्ष जोधपुर मण्डल को महाप्रबंधक की सम्पूर्ण कार्यकुशलता शील्ड से सम्मानित किया गया, जबकि अजमेर मण्डल को रनर-अप शील्ड प्रदान की गई। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शशि किरण ने बताया कि समारोह के दौरान नई दिल्ली में आयोजित 70वें राष्ट्रीय अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह–2025 में पुरस्कृत उत्तर पश्चिम रेलवे के पांच रेलकर्मियों का भी मंच पर अभिनंदन किया गया। साथ ही माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा प्रदत्त संपूर्ण कार्यकुशलता के लिए गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, वैगन मेंटेनेंस शील्ड और रनिंग रूम शील्ड का प्रदर्शन किया गया। शील्ड वितरण में जोधपुर मण्डल को सर्वाधिक छह शील्ड प्राप्त हुईं। इनमें वाणिज्य विभाग के लिए वाणिज्य शील्ड, विद्युत विभाग के लिए इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग शील्ड, इंजीनियरिंग विभाग के लिए सिविल इंजीनियरिंग शील्ड, सिगनल एवं टेलीकॉम विभाग के लिए सिगनल एवं टेलीकॉम शील्ड, निर्माण विभाग के लिए सर्वश्रेष्ठ गति शक्ति यूनिट शील्ड तथा यांत्रिक विभाग के लिए यांत्रिक (कैरिज एवं वैगन) शील्ड शामिल रही। अजमेर मण्डल को पांच शील्ड प्रदान की गईं, जिनमें वाणिज्य विभाग को रेल मदद शील्ड एवं टिकट चैकिंग शील्ड, कार्मिक विभाग को कार्मिक शील्ड, संरक्षा विभाग को संरक्षा शील्ड तथा राजभाषा विभाग को राजभाषा शील्ड शामिल हैं। बीकानेर मण्डल को चार शील्ड मिलीं, जिनमें विद्युत विभाग के लिए बेस्ट रनिंग रूम शील्ड (हिसार रनिंग रूम), इंजीनियरिंग विभाग के लिए ट्रैक, आरओबी/आरयूबी एवं संरक्षा कार्य शील्ड, चिकित्सा विभाग के लिए कम्प्रहेसिव हेल्थकेयर शील्ड तथा निर्माण विभाग के लिए निर्माण इन्फ्रास्ट्रक्चर शील्ड शामिल रही। जयपुर मण्डल को लेखा एवं वित्त मैनेजमेन्ट शील्ड, यातायात परिवहन शील्ड, सुरक्षा शील्ड और भण्डार शील्ड प्रदान की गई। कारखानों की श्रेणी में जोधपुर कारखाने को पर्यावरण प्रबन्धन एवं स्वच्छता शील्ड दी गई, जबकि सर्वश्रेष्ठ कारखाना शील्ड बीकानेर कारखाना एवं अजमेर कैरिज कारखाना को संयुक्त रूप से प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रदीप कुमार सिंह द्वारा अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन से हुई। समारोह को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने सभी रेलकर्मियों और उनके परिजनों को बधाई दी और कहा कि उत्तर पश्चिम रेलवे की प्रगति में अधिकारियों और कर्मचारियों का योगदान सराहनीय है। उन्होंने माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2026 में "52 सप्ताह 52 सुधार" के तहत प्रत्येक सप्ताह एक बड़ा सुधार लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत ग्राहक सेवा, रख-रखाव, उत्पादन, गुणवत्ता प्रबंधन और परिचालन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में समयबद्ध सुधार किए जाएंगे।

समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अशोक माहेश्वरी, उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा डॉ. अंजु सहित संगठन की पदाधिकारी, ट्रेड यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि, बड़ी संख्या में रेल अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

# सीबीएन की बड़ी कार्रवाई निम्बाहेड़ा मार्ग पर 2.882 किलो अवैध अफीम जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा। मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (ब्ठछ), कोटा की टीम ने 15 जनवरी 2026 को जिला चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ादृछोटी सादड़ी रोड पर एक सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों के कब्जे से कुल 2.882 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की गई।

CBN कोटा को विशिष्ट एवं विश्वसनीय खुफिया सूचना प्राप्त हुई थी कि दो व्यक्ति अवैध अफीम लेकर उक्त मार्ग से गुजरने वाले हैं। सूचना के आधार पर गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी। इस दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें कपड़े के बैग से अवैध अफीम बरामद हुई।

कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद बरामद अफीम एवं मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया तथा दोनों आरोपियों को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की प्रासंगिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

ब्ठछ ने स्पष्ट किया कि मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। ऐसी कार्रवाइयाँ समाज, विशेषकर युवाओं को नशे की भयावह समस्या से बचाने और नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यह कार्रवाई श्री नरेश बुन्देल, उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा (राज.) के मार्गदर्शन में की गई।

# प्रजापति युवा संघ सेरा-नला प्रान्त की पीपीएल-1 का भव्य आगाज, दो दिवसीय आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न

24 न्यूज अपडेट

गोगुन्दा। प्रजापति युवा संघ सेरा-नला प्रान्त की ओर से समाज स्तरीय प्रथम क्रिकेट प्रतियोगिता पीपीएल-1 का आयोजन मेवाड़ क्षेत्र में पहली बार किया गया। यह दो दिवसीय आयोजन गुरुवार 15 जनवरी से प्रारंभ होकर शुक्रवार 16 जनवरी को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत क्रिकेट प्रतियोगिता के साथ समाज के सहयोगकर्ताओं एवं खेल प्रतिभाओं का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। यह आयोजन महाराष्ट्र एवं गुजरात की तर्ज पर मेवाड़ क्षेत्र में प्रजापति मेवाड़ सेरा-नला प्रान्त की नवगठित युवा कार्यकारिणी द्वारा ग्राम मजावडी के खेल मैदान में किया गया। आयोजन को समाजजन एवं दर्शकों का भरपूर सहयोग और उत्साह मिला। कार्यक्रम में प्रजापति समाज संस्थान सेरा-नला के अध्यक्ष नानालाल प्रजापति, समाज के वरिष्ठजन, बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं दर्शक उपस्थित रहे। युवा कार्यकारिणी के संरक्षक छगनलाल प्रजापति, मंच संचालक दीपक प्रजापत, युवा कार्यकारिणी अध्यक्ष कमलेश प्रजापति, उपाध्यक्ष रोशनलाल, किशनलाल एवं नरेश प्रजापत, मजावडी उपसरपंच अम्बालाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वागड़-मेवाड़ प्रजापति समाज संस्थान अध्यक्ष डूंगर लाल प्रजापति, प्रजापति समाज संस्थान सेरा-नला चौखला अध्यक्ष नानालाल प्रजापति, प्रजापति युवा सोशल ग्रुप के संरक्षक जादूगर राजतिलक जी एवं प्रजापति युवा संघ सूरत मेवाड़ अध्यक्ष देवीलाल प्रजापति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। युवा कार्यकारिणी द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत सॉल व उपरणा ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। साथ ही आगामी वर्षों में आयोजन को और अधिक भव्य व ऐतिहासिक बनाने का निर्णय लिया गया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 6 टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों के खिलाड़ियों ने दर्शकों के बीच शानदार एवं उत्साहपूर्ण प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में गोगुन्दा की जोगेश्वरी वॉरियर्स टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि आशापुरा टीम उपविजेता रही। पूरे टूर्नामेंट में नारायण प्रजापति को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने नो-9 ट्रॉफी सहित बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर और बेस्ट टीम खिलाड़ी जैसे सर्वाधिक पुरस्कार अपने नाम कर प्रतियोगिता में विशेष पहचान बनाई।

# 272 प्लॉट घोटाला : हाईकोर्ट का एसपी को 45 दिन का अल्टीमेटम, क्या टूट पाएगा सत्ता और भू-माफिया के नेक्सस का खुला खेल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम का 272 प्लॉट घोटाला अब एक अनंत कथा बन चुका है जिसके किरदार इतने स्वच्छंद हैं कि उन्हें मनमानी स्टोरी प्लांट करने की पूरी प्रशासनिक और पुलिसिया छूट लेकर डांस आफ महाघोटाला करते नजर आ रहे हैं। एक फाइल जो यूडीए से चली, निगम पहुंची और रास्ते में 272 प्लॉट माफिया नेक्सस ने लूट लिए। वाह क्या सीन है??? और पुलिस है कि लूटने वालों में सबका न पता लगा पा रही है ना सजा दिला पा रही है?? अगर जांच एजेंसियां चाहें तो केवल 24 घंटे में घपलेबाजों को बेनकाब कर सकती है। अगर एजेसियां चाहें तो वे सभी चेहरे बेनकाब हो सकते हैं जिनकी चर्चा आजकल जनता में आम हो चली हैं। मगर पैसा बोलता है, पावर बोलता है, रसूख बोलता हैऔर उनके बोलने से पूरा सिस्टम चुप हो जाता है। रेंगने लगता है केंचूए की तरह। यह कैसी जांच हो रही है उदयपुर के इस महाघोटाले की। एसओजी से लेकर स्थानीय पुलिस तक जांच का सिलसिला इतना धीमा है कि अगर बीरबल की खिचड़ी पकाने वाले कहावत भी इसके आगे पानी भर रही है। अब मामला हाईकोर्ट तक एक बार फिर से पहुंच चुका है। राजस्थान हाईकोर्ट ने उदयपुर एसपी को आदेश दिया है कि 45 दिनों में जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करें, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि निर्देशों का पालन न करने वाले अधिकारी कानून के दायरे में आएंगे। याने कि आने वाले 45 दिन 272 प्लॉटों के सूरमाओं के लिए अबकी बार ठिठुरन भरे होने वाले हैं।

## सब कुछ फर्जी, फिर भी असली जांच एजेंसियां हाथ लगाने से डर रहीं

मामले की शुरुआत 2012 से हुई, जब यूआईटी ने नगर निगम को उदयपुर की कुछ कॉलोनियां हस्तांतरण की। इन कॉलोनियों में बहुत सारे भूखंड खाली थे और अधिकांश कॉर्नर के प्लॉट थे। निगम ने इन पर खुद के बोर्ड लगा रखे थे। लेकिन सार-संभाल नहीं होने पर भूमिदलालों ने कब्जा कर लिया। साफ साफ कहें तो अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक की मिलीभगत से दलालों से कह दिया गया कि भाई जाओ, बोर्ड उखाड़ो और कब्जा करके जी लो अपनी जिंदगी। तो बोर्ड उखड़ गए, कब्जे हो गए। उसके बाद दलालों ने सोचा कि लगे हाथ फर्जी दस्तावेज बनाकर पूरा राम नाम सत्य कर लेते हैं मामले का। कई भूखंडों के फर्जी दस्तावेज बन गए और कुछ को बेच भी दिया गया। सब कुछ फर्जी, कागज से लेकर मुहर तक। यूं ही तो नहीं बने होंगे। नगर निगम से लेकर यूडीए तक किसी जानकार ने ही बताया होगा कि कागज कैसे बनाने हैं, मुहर कैसे लगानी हैं। इसके बाद 22 फरवरी 2022 को जब मामला खुल गया। तब नगर निगम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन जांच 10 साल लंबी खिंच गई। एक दशक तक जांच ही होती रहेगी तो आंच कब आएगी?? तब तक तो घोटाले बाजों की दो तीन पीढ़ियां जिंदगी जी कर परलोक सिधार चुकी होगी?? बड़ा सवाल एक और उठा कि इन भूखंडों का राज आखिर सामने कैसे आया?? क्योंकि चोर—चोर तो मौसेरे भाई होते हैं। बताया यह जा रहा है कि उसको दिया, मुझे नहीं मिला, मुझे कम मिला, मुझे मेरी पसंद का नहीं मिला.कुछ इस तरह की बातों ने रंग में भंग डाल दिया।

## हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रुख

चांदपोल निवासी नरेंद्र सिंह राजावत ने गृह विभाग के सचिव, रेंज आईजी, एसपी और हिरणमगरी सीआई के खिलाफ याचिका दायर की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस जांच में जानबूझकर देरी कर रही है। मई 2023 में हाईकोर्ट ने आदेश दिए कि शिकायत आईजी और जांच अधिकारी के समक्ष पेश करें और 15 दिन में निर्णय लें। हाईकोर्ट का आदेश भी नहीं माना। जांच लटकती रही। अबकी बार कोर्ट ने साफ किया है कि एसपी मामले की व्यक्तिगत निगरानी करें और 45 दिनों में रिपोर्ट पेश करें, अन्यथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। याने कि कोर्ट भी समझ रहा है कि न्याय के रास्ते में किरपा कहां पर अटकी हुई है। ऐसे में अब अगर और कोई कानूनी दांव पेच नहीं खेला गया तब उदयपुर 272 प्लॉट घोटाले में सिर्फ मामूली आरोपी नहीं, बल्कि सत्ता, भू-माफिया, पॉलिटिशियन और प्रशासन का नेक्सस सामने आएगा ऐसी उम्मीद की जा सकती है।

## राजनीतिक और भू-माफिया नेक्सस

इस मामले के व्हीसल ब्लोअर कांग्रेस के पार्षद अजय पोरवाल हैं मगर वे कांग्रेसी होते हुए भी अपनी ही सरकार से इस मामले की जांच को अंतिम सिरे तक नहीं ले जा पाए। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने इस मुद्दे पर विधानसभा आवाज उठाई व इसे 500 करोड़ के घोटाले के रूप में उजागर किया। तब यूडीएच मंत्री जाबर सिंह खर्रा ने कहा कि दोषियों को कोई नहीं बख्शेगा??? मगर हुआ क्या???? 10 साल की देरी और जांच में लचर गति दिखाती है कि सत्ता के संरक्षण में चहेते किस तरह बचाए गए हैं।

## एसओजी की कछुआ चाल भी बनी आलोचना का विषय

अब तक केवल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है इस मामले में । राकेश सोलंकी, दीपक सिंह, किशनलाल, राजेंद्र धाकड़ और राजदीप वाल्मिकी। ये चेहरे लो प्रोफाइल हैं, उनके पीछू किसका हाथ है?? मुख्य नेटवर्क – पॉलिटिशियन, दलाल और भ्रष्ट अधिकारी – अब तक ना जाने किस महान शक्ति की छत्र छाया में छिपे हैं। फर्जी दस्तावेज, नामांतरण, बेच दिए गए भूखंड और दलालों का सक्रिय नेटवर्क साफ दिखा रहा है कि यह मामला सिर्फ 272 प्लॉट नहीं, बल्कि सत्ता और भू-माफिया का गठजोड़ है। हाईकोर्ट का अल्टीमेटम और लगातार लटकती जांच साफ बता रही है कि जिम्मेदार लोग अपने-अपने पद और संरक्षण का इस्तेमाल करके किसी को बचाने का भरसक प्रयास कर रहे है।

# घायल को मौके पर छोड़ आरोपियों को थाने ले गई पुलिस, मौत के बाद 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के कांवाखेड़ा कच्ची बस्ती में एक व्यक्ति की मौत के बाद अब यह साफ हो गया है कि पुलिस से हुई चूक कोई अनजानी भूल नहीं थी, बल्कि जिम्मेदारियों को नजरअंदाज करने की गंभीर लापरवाही थी। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने शास्त्रीनगर पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई सत्यकाम सिंह सहित दो कॉन्स्टेबल—विनोद और विनोद शर्मा—को निलंबित कर दिया। मकर संक्रांति के दिन पतंग की डोर को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद पथराव में बदल गया। पथराव में 58 वर्षीय अख्तर अली गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस आई, हालात देखे—लेकिन जिस घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जाना चाहिए था, उसे मौके पर छोड़ दिया गया।

## पुलिस की प्राथमिकता घायल नहीं था

पुलिस ने अख्तर अली को अस्पताल ले जाने की बजाय उसके तीन दोहितों को पकड़कर थाने ले जाना ज्यादा जरूरी समझा। आरोप है कि अख्तर की पत्नी ने पुलिसकर्मियों से हाथ जोड़कर गुहार लगाई—कम से कम एक को छोड़ दीजिए, ताकि पति को अस्पताल पहुंचाया जा सके। लेकिन पुलिस ने उसकी एक न सुनी। याने जहां कानून का पालन करते-करते मानवता पीछे छूट गई।

## एम्बुलेंस आई, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी

पुलिस के जाने के बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची। परिजन अख्तर को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और सवाल उठने लगे— अगर पुलिस घायल को समय पर अस्पताल ले जाती, तो क्या जान बच सकती थी?

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी धर्मेंद्र सिंह ने जांच करवाई। जांच में तीनों पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आई। इसके बाद एएसआई सत्यकाम सिंह, कॉन्स्टेबल विनोद और कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

# CSR पहल 'प्रोजेक्ट रोशनी' का शुभारंभ, ट्रक व कमर्शियल ड्राइवरों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। सत्यनारायण सेन। भीलवाड़ा जिले के गुरला स्थित मुजरास टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए CSR गतिविधि के अंतर्गत 'प्रोजेक्ट रोशनी' का शुभारंभ किया गया। इस परियोजना का संचालन मेकिंग द डिफरेंस NGO द्वारा किया जा रहा है, जबकि इंटरराइज ट्रस्ट का इसे सक्रिय सहयोग प्राप्त है। कार्यक्रम का आयोजन BRTPL परिसर में किया गया। दो दिवसीय इस विशेष शिविर में ट्रक चालकों एवं कमर्शियल वाहन चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच एवं संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण की व्यापक व्यवस्था की गई है। विशेषज्ञ मेडिकल टीम द्वारा आंखों की जांच के साथ-साथ ईसीजी, ब्लड टेस्ट, ब्लड शुगर, बीपी एवं फुल बॉडी चेकअप किया जा रहा है। जरूरतमंद चालकों को मौके पर ही निःशुल्क चश्मे वितरित किए जा रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य संबंधी मेडिकल काउंसलिंग भी दी जा रही है।

एसपी ने किया शुभारंभ, अधिकारियों ने सराही पहल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव रहे। शिविर के शुभारंभ अवसर पर प्रोजेक्ट हेड जयनन्दन मिश्रा, DTO इंस्पेक्टर आर.के. चौधरी, RTO इंस्पेक्टर अनिल शर्मा, सुरेश एवं लवलेश टेलर, ADSP बुधराज टैंक (गंगापुर), DYSP सुदर्शन पालीवाल (गंगापुर), CMHO डॉ. रामकेश गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं रिबन काटकर की गई। इसके बाद अधिकारियों ने मेडिकल टीम से बातचीत कर पूरे स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी ली और शिविर में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीक एवं उपकरणों की सराहना की। अधिकारियों ने सड़क उपयोगकर्ताओं और वाहन चालकों की सुरक्षा के प्रति टीम की प्रतिबद्धता को भी सराहा।

# आकाश एजुकेशनल सर्विसेज और भारतीय सेना के बीच ऐतिहासिक समझौता, सैनिकों के बच्चों को 100% तक शिक्षा सहायता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर | देश के जवानों और उनके परिवारों के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (AESL) ने भारतीय सेना के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य सेवा दे रहे सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीरता पुरस्कार विजेताओं, दिव्यांग कर्मियों तथा शहीद सैनिकों के परिवारों को शैक्षणिक सहायता और कल्याणकारी लाभ उपलब्ध कराना है। इस एमओयू के तहत एईएसएल देशभर में स्थित अपने सभी केंद्रों पर सेना से जुड़े विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्तियाँ और शैक्षणिक सुविधाएँ प्रदान करेगा। यह समझौता भारतीय सेना की ओर से कर्नल, सेरेमोनियल एंड वेलफेयर (384) और एईएसएल की ओर से डॉ. यश पाल, चीफ अकैडमिक एंड बिज़नेस हेड, दिल्ली-एनसीआर द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

## शहीदों के बच्चों को 100% फीस माफी

एमओयू के अनुसार, ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सैनिकों के बच्चों को 100% ट्यूशन फीस में छूट दी जाएगी, केवल रजिस्ट्रेशन फीस देय होगी। 20% से अधिक दिव्यांगता वाले सैनिकों और वीरता पुरस्कार प्राप्त कर्मियों के बच्चों को भी 100% ट्यूशन फीस माफी मिलेगी। सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों के बच्चों को 20% ट्यूशन फीस में छूट प्रदान की जाएगी, जो अन्य लागू छात्रवृत्तियों के बाद प्रभावी होगी। इनके अतिरिक्त, एईएसएल की पहले से संचालित छात्रवृत्ति योजनाएँ भी जारी रहेंगी, जिनका लाभ प्रवेश लेने के इच्छुक सभी विद्यार्थियों को मिलता रहेगा।

## मेंटोरिंग और काउंसलिंग की भी सुविधा

एमओयू की अवधि के दौरान एईएसएल भारतीय सेना के कर्मियों के बच्चों को व्यापक मेंटरिंग और करियर काउंसलिंग सहायता भी प्रदान करेगा। यह सुविधा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध होगी, ताकि विद्यार्थियों की शैक्षणिक और करियर से जुड़ी सभी शंकाओं का समाधान किया जा सके। एईएसएल के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ श्री चंद्रशेखर गरिसा रेड्डी ने कहा, एईएसएल में हमारा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। भारतीय सेना के साथ यह साझेदारी हमारे वीर सैनिकों के त्याग और बलिदान को सम्मान देने का एक प्रयास है। स्कॉलरशिप, मेंटरिंग और काउंसलिंग के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे सैनिकों के बच्चे अपनी पूरी क्षमता को पहचानें और नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ें।

# गिवअप अभियान : उदयपुर में अब तक 2289 लोगों को नोटिस - स्वेच्छा से नाम हटवाने की तिथि 28 फरवरी तक बढ़ाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 जनवरी। खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्रों को हटाने तथा वंचित पात्र लोगों को जोड़ने के लिए राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे गिवअप अभियान के तहत उदयपुर जिले में अब तक 2289 अपात्र लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। जल्द ही उनके विरूद्ध वसूली की कार्यवाही की जाएगी। अभियान के तहत स्वेच्छा से नाम हटवाने की अवधि 28 फरवरी तक बढ़ा दी गई है।

जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के मार्ग दर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गा के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री सुमित गोदरा के स्पष्ट निर्देश है कि अंतिम पक्ति में खडे लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाये ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके। खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में निर्धारित मापदण्ड'' राजस्थान खाद्य सुरक्षा नियम 2023 अनुसूची-1'' में ऐसे परिवार जिसमें कोई आयकर दाता हो। परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी/अर्द्व सरकारी /स्वायत्त शासीसंस्थाओं में कर्मचारी हो, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारीक आय हो अथवा परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि जीविकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) निष्कासन सूची में शामिल हैं।

श्री भटनागर ने बताया कि 01 नवम्बर 2024 से प्रारंभ गिवअप अभियान में अब तक राजस्थान में लगभग 22 लाख 32 हजार व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना से लाभ छोड़ा जिससे राज्य सरकार पर वार्षिक 409.39 करोड की राशि का वित्तीय भार कम होगा। इस क्रम में उदयपुर जिले में कुल 17 हजार 254 आवेदन प्राप्त हुये तथा कुल 1 लाख 91 हजार 583 लोगों द्वारा गिवअप किया गया। अभियान में प्रत्येक उचित मूल्य की दुकानपर खाद्य विभाग के प्रवर्तन अधिकारी व प्रवर्तन निरीक्षकों को औचक निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगो को नोटिस जारी किये जाने के आदेश प्रदान किये गये है। खाद्य विभाग द्वारा शीघ्र ही परिवहन विभाग से चार पहिया वाहन स्वामी का डाटा संकलित कर खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी किया जाएगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।